लापरवाही | फिर मंडरा रहा जानलेवा खतरा, पिछले मानसून में गई थीं दो जानें, जिम्मेदार अब भी बेफिक्र

सीवर लाइन ठेका कंपनी की लापरवाही से बन रहे सिंक होल

नवभारत, शहडोल। शहर में चल रहे सीवर लाइन प्रोजेक्ट की सुस्त रफ्तार और ठेका कंपनी की लापरवाही अब आम नागरिकों की जान पर भारी पड़ती नजर आ रही है। मानसून की दस्तक के साथ ही शहर के कई इलाकों में सीवर लाइन की खुदाई के बाद बने गड्ढे, धंसती सड़कें और सिंक होल लोगों के लिए खतरे का सबब बन गए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पिछले वर्ष सीवर लाइन कार्य के दौरान दो मजदूरों की दर्दनाक मौत के बाद भी न तो सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुआ और न ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया।

शहर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित विश्वविद्यालय के पीछे शिवनगर क्षेत्र में पिछले करीब 15 दिनों से सीवर लाइन के लिए रोड कटिंग का कार्य किया जा रहा है। सड़क खोदने के बाद उचित तरीके से भराव और संधारण नहीं किए जाने के कारण पूरी सड़क कीचड़ और फिसलन में तब्दील हो गई है। बरसात का पानी गड्ढों में भर रहा है और मिट्टी बहकर सड़क के बीचों-बीच कीचड़युक्त नाली का रूप ले चुकी है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सिंक होल बनने से बढ़ा खतरा

स्थानीय लोगों का कहना है कि सीवर लाइन के लिए की गई खुदाई के बाद मानकों के अनुरूप कम्पेक्शन और भराव नहीं किया जा रहा है। नतीजतन कई स्थानों पर जमीन अंदर से खोखली हो रही है और बारिश के दौरान अचानक सड़क धंसने की घटनाएं सामने आ रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे हालात में सिंक होल बनने की आशंका बढ़ जाती है, जिससे वाहन या राहगीर सीधे गड्ढे में समा सकते हैं। शहरवासियों का आरोप है कि ठेका कंपनी सिर्फखानापूर्ति कर रही है। जहां खुदाई होती है, वहां न तो पर्याप्त बैरिकेडिंग लगाई जाती है और न ही चेतावनी बोर्ड। रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।

पिछले साल का हादसा नहीं बना सबक

शहरवासी याद दिलाते हैं कि पिछले मानसून के दौरान सीवर लाइन कार्य से जुड़े हादसों में दो मजदूरों की जान चली गई थी। उस समय जिम्मेदार अधिकारियों ने जांच और सुधार के बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो इस मानसून में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि सीवर लाइन कार्य की गुणवत्ता की तत्काल जांच कराई जाए। जहां-जहां खुदाई की गई है वहां वैज्ञानिक तरीके से भराव कराया जाए, सिंक होल वाले क्षेत्रों की पहचान कर मरम्मत की जाए तथा ठेका कंपनी की लापरवाही पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि यदि बारिश के मौसम में भी इसी तरह लापरवाही जारी रही तो पिछले साल की तरह फिर किसी बड़े हादसे की खबर सामने आ सकती है। सवाल यह है कि आखिर प्रशासन किसी अनहोनी का इंतजार क्यों कर रहा है।

इनका कहना है

सड़क पूरी तरह कीचड़ में बदल गई है। बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत हो रही है और बाइक सवार आए दिन फिसलकर गिर रहे हैं। कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

विपिन विश्वकर्मा, निवासी शिवनगर

बारिश होते ही गड्ढों में पानी भर जाता है और पता ही नहीं चलता कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां। महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं।

मुरारीलाल वर्मा, स्थानीय रहवासी

सीवर कंपनी ने सड़क खोदकर छोड़ दी है। ग्राहक दुकान तक आने से बच रहे हैं। व्यापार प्रभावित हो रहा है और जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ निरीक्षण की औपचारिकता निभा रहे हैं।

राजेश गुप्ता, दुकानदार

विश्वविद्यालय आने-जाने वाले छात्रों को रोज परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई जगह सड़क धंसने लगी है। अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो बड़ा हादसा हो सकता है।

मनीष ओझा, स्थानीय निवासी

नगर पालिका के नोटिस को ठेंगा!

▸ अवैध कब्जे पर कार्यवाही नहीं वार्डवासियों में भारी आक्रोश

नवभारत,धनपुर। नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए जाने के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं किए जाने से वार्डवासियों में भारी नाराजगी व्याप्त है। मामला वार्ड क्रमांक 2 (वर्तमान वार्ड क्रमांक 23) पुरानी बस्ती धनपुरी का है, जहां स्थानीय लोगों के निस्तार एवं पेयजल व्यवस्था के लिए छोड़ी गई शासकीय भूमि पर कथित रूप से जबरन कब्जा कर पक्की दीवार खड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार समाजसेवी हेमदास माहरा द्वारा क्षेत्रहित में भूमि दान की गई थी। इसी स्थान के समीप मौजूद शासकीय भूमि को नगर पालिका ने सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखा था तथा वार्डवासियों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने हेतु यहां हैंडपंप स्थापित करने के लिए स्थान भी चिन्हित किया गया था। लेकिन एक स्थानीय निवासी द्वारा उक्त भूमि पर कब्जा कर दीवार निर्माण कर दिया गया, जिससे सार्वजनिक उपयोग की योजना प्रभावित हो गई।

इस संबंध में वार्डवासियों ने नगर पालिका में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की जांच के बाद नगर पालिका परिषद धनपुरी के अतिक्रमण शाखा द्वारा 15 जून 226 को नोटिस जारी कर संबंधित व्यक्ति को दो दिवस के भीतर अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस में स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि भूमि शासकीय अभिलेखों में निकाय की संपत्ति के रूप में दर्ज है तथा किया गया निर्माण नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। हैरानी की बात यह है कि नोटिस जारी हुए कई दिन बीत जाने के बाद भी न तो अवैध निर्माण हटाया गया और न ही नगर पालिका द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही की गई। इससे यह सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर नगर पालिका का नोटिस केवल कागजी औपचारिकता था या फिर किसी दबाव में कार्यवाही को जानबूझकर टाला जा रहा है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यदि आम व्यक्ति नगर पालिका के निर्देशों की अवहेलना करता है तो तत्काल कार्यवाही की जाती है, लेकिन इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी कई संदेहों को जन्म दे रही है। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक हित और पेयजल व्यवस्था से जुड़े इस गंभीर मामले में प्रशासन की निष्क्रियता समझ से परे है। वार्डवासियों ने कलेक्टर, एसडीएम एवं नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि शासकीय भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाए, ताकि जनता के उपयोग हेतु सुरक्षित भूमि पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा न हो सके। अब बड़ा सवाल यह है कि जब नगर पालिका स्वयं अवैध अतिक्रमण स्वीकार कर नोटिस जारी कर चुकी है, तो फिर कार्यवाही करने में देरी क्यों हो रही है? क्या अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन का हाथ कमजोर पड़ गया है या फिर किसी प्रभावशाली संरक्षण के चलते मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है? फिलहाल खबर लिखे जाने तक अवैध कब्जाधारी पर कोई भी प्रशासन का असर होते नहीं दिख रहा है। जिससे जनता के मन में तरह-तरह के विचार उत्पन्न हो रहे हैं।

एक नजर में

10 दिवसीय विशाल आम लंगर शुरू

नवभारत,धनपुरी। शहीदाने कर्बला, सरदार-ए-शोहदा, नूर-ए-अहलेबैत हज़रत इमाम हुसैन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु की याद में धनपुरी नगर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे अदब, एहतराम और अकीदत के साथ 10 दिवसीय विशाल आम लंगर एवं सबील का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन समाजसेवी जनाब मोहम्मद अशफाक अली सिद्दीकी, जनाब रेयान अली सिद्दीकी एवं उनकी लंगर कमेटी के तत्वावधान में संपन्न हो रहा है। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल होकर तबर्रुक हासिल कर रहे हैं। लंगर कमेटी के अध्यक्ष रेयान अली सिद्दीकी ने बताया कि यह आयोजन 25 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक दिन मगरिब की नमाज के बाद फातिहा-ख्वानी का कार्यक्रम होता है, जिसके पश्चात लंगर और तबर्रुक तक्सीम किया जाता है। यह सिलसिला लगातार 10 दिनों तक खिदमत-ए-खल्क और इमाम हुसैन (रज़ि.) की याद में जारी रहेगा। इस अवसर पर उलेमा-ए-किराम और वक्ताओं ने कर्बला के महान संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हज़रत इमाम हुसैन (रज़ि.) ने हक़, इंसाफ, सब्र, इस्तिकामत और कुर्बानी की ऐसी मिसाल पेश की, जो पूरी इंसानियत के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने अन्याय और अत्याचार के सामने झुकने के बजाय सत्य और न्याय के लिए अपने प्राणों का बलिदान देना स्वीकार किया। कर्बला की घटना आज भी दुनिया को सच्चाई, साहस और मानवता का संदेश देती है। वक्ताओं ने कहा कि इमाम हुसैन (रज़ि.) की शहादत किसी एक समुदाय या फिरके तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी इंसानियत की साझा विरासत है। कर्बला हमें सिखाती है कि जब भी हक़ और बातिल का सामना हो, इंसान को सत्य और न्याय का साथ देना चाहिए, चाहे इसके लिए कितनी ही बड़ी कुर्बानी क्यों न देनी पड़े।

श्रीअन्न और दलहन-तिलहन का बढ़ाएं रकबा : आयुक्त

नवभारत,शहडोल। शहडोल संभाग की आयुक्त सुरभि गुप्ता ने कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी और मत्स्यपालन विभागों की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदर्शन खेती के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ते हुए उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रदर्शन वाले खेतों का भ्रमण कराकर नवाचारों और बेहतर कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जाए। अमरकंटक सभाकक्ष में आयोजित बैठक में आयुक्त ने शहडोल संभाग में श्रीअन्न (कोदो-कुटकी) के साथ-साथ दलहन और तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत बनाए गए क्लस्टरों का नियमित निरीक्षण करने, किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ बताने तथा उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

चचाई की टीम बनी चैंपियन,8 खिलाड़ियों का चयन

▸ अंतर-क्षेत्रीय विद्युत कैरम प्रतियोगिता का समापन

नवभारत,शहडोल। केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर के निर्देशानुसार शहडोल क्षेत्र के तत्वावधान में आयोजित 48वीं अंतर-क्षेत्रीय तीन दिवसीय विद्युत कैरम प्रतियोगिता का शुक्रवार को जिला महिला समिति शहडोल में भव्य समापन हुआ। 17 से 19 जून तक चली इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न विद्युत क्षेत्रों की 1 टीमों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर, सिरमौर, चचाई, सिंघाजी खंडवा, उज्जैन एवं शहडोल क्षेत्र सहित कुल 1 टीमों के खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा की। तीन दिनों तक चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट कौशल का परिचय दिया।

प्रतियोगिता में अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई (अनूपपुर) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं श्री सिंघाजी ताप विद्युत परियोजना, खंडवा की टीम उपविजेता रही, जबकि इंदौर क्षेत्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ऑल इंडिया रैंकिंग के लिए 8 खिलाड़ियों का चयन

प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से कुल 8 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन आगामी ऑल इंडिया रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित खिलाड़ियों की उपलब्धि पर उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने हर्ष व्यक्त किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमिल कुमार मिश्रा, मुख्य अभियंता शहडोल क्षेत्र रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ए.के. परते, मुख्य अभियंता (प्रवर्तन) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जे.एस. नंदा, अधीक्षण अभियंता ने की।

इस अवसर पर खेल सचिव (नोडल) संजय वर्मा, कार्यपालन अभियंता जितेन्द्र कुमार संत, जितेन्द्र कुमार, प्रबंधक (मानव संसाधन एवं वेलफेयर) नागेश कुमार प्रजापति, क्षेत्रीय लेखाधिकारी अभिषेक देवांगन सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सुधीर कुमार गौतम द्वारा किया गया, जिसकी उपस्थितजनों ने सराहना की।

खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

समापन समारोह में मुख्य अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों एवं आगंतुकों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।मुख्य अभियंता कार्यालय शहडोल क्षेत्र के तत्वावधान में आयोजित यह प्रतियोगिता खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ विभागीय कर्मचारियों के बीच सौहार्द, सहयोग और खेल भावना को प्रोत्साहित करने में सफल रही।

विश्व सिकल सेल दिवस पर जागरूकता का संदेश

▸ 'समय पर जांच और जागरूकता से रोकी जा सकती है आनुवंशिक बीमारियां : डॉ. बिनु कुशवाहा

नवभारत,शहडोल। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय शहडोल में सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रीवा मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं स्वास्थ्य विभाग के पूर्व संचालक (पॉलिसी एवं रेगुलेशन) डॉ. बिनु कुशवाहा ने कहा कि सिकल सेल रोग आज भी जनजातीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए व्यापक जनजागरूकता और समय पर जांच बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों ने कहा कि विवाह पूर्व जांच, गर्भावस्था के दौरान स्क्रीनिंग और परिवार स्तर पर जागरूकता बढ़ाकर सिकल सेल रोग के प्रसार को रोका जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे विवाह से पहले सिकल सेल जांच अवश्य कराएं, जिससे आने वाली पीढ़ियों को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सके। कार्यक्रम में डॉ. सुधा नामदेव, डॉ. शिल्पी सराफ, रुपाली सिंघाई, डॉ. अभय मिश्रा, सिराज अहमद, डॉ. पुनीत श्रीवास्तव एवं डॉ. अंशुमान सोनारे सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे और सिकल सेल उन्मूलन अभियान को जनआंदोलन का रूप देने पर बल दिया।

सरकारी आवास में लटका रहता है ताला, बीट गार्ड रहते हैं नदारद

धनपुरी /बुढ़ार करकटी। बीट में पदस्थ बीट प्रभारी की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीट गार्ड अधिकांश समय अपने कार्यक्षेत्र से बाहर रहते हैं और विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए सरकारी आवास में शायद ही कभी रुकते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, करकटी बीट के प्रभारी सुधीर तिवारी दिन में कभी-कभार क्षेत्र का भ्रमण कर वापस अपने निजी निवास चले जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीट परिसर स्थित आवास में अक्सर ताला लटका रहता है, जिससे वन क्षेत्र की निगरानी प्रभावित होती है। वर्तमान में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है, ऐसे समय में जंगलों में आग लगने जैसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा फील्ड स्टाफ को अपने कार्यक्षेत्र में रहकर निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वन संपदा एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा लाखों रुपये की लागत से बीट प्रभारी के लिए आवास उपलब्ध कराया गया है, लेकिन उसका उपयोग नहीं किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन जब भी वन विभाग से संबंधित किसी मिलने जाते हैं तो हमेशा बंद रहता है।

हिंदुओं के लिए समर्पित रहेगा संगठन का आठवां स्थापना दिवस : मेहुल श्रीवास्तव

नवभारत शहडोल। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का आठवां स्थापना दिवस इस वर्ष पूरे जिले में भव्य एवं व्यापक रूप से मनाया जाएगा। महाकौशल प्रांत के पदाधिकारी मेहुल श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन का स्थापना दिवस हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, सुरक्षा एवं राष्ट्र समर्पण की भावना को समर्पित रहेगा। उन्होंने बताया कि शहडोल जिले के विभिन्न नगरों, मंडलों एवं ग्राम इकाइयों में कुल 54 स्थानों पर स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें कई स्थानों पर ध्वजारोहण, संगठन परिचय, हिंदू जागरण गोष्ठियां, कार्यकर्ता सम्मान, सेवा गतिविधियां तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद जैसे कार्यक्रम संपन्न होंगे। मेहुल श्रीवास्तव ने बताया कि जिले का मुख्य एवं केंद्रित कार्यक्रम शहडोल स्थित सिंधु भवन में आयोजित किया जाएगा, जिसमें संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहेंगे।

गोदावल धाम में बावड़ी पूजन के साथ गूंजा जल संरक्षण का संदेश

नवभारत,ब्यौहारी। जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत विकासखंड ब्यौहारी के सेक्टर क्रमांक-01 आखेटपुर स्थित गोदावल धाम में बावड़ी पूजन एवं जल संगोष्ठी (चौपाल) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संवर्धन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था जगदंबा जन विकास समिति भमरहा प्रथम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जल संकट की बढ़ती चुनौती को देखते हुए पारंपरिक जल स्रोतों जैसे बावड़ी, कुएं और तालाबों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि आज जल बचाने के लिए ठोस प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक शिवदत्त उर्मलिया ने जल संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जल के महत्व को समझना होगा और जल स्रोतों के संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नवांकुर संस्था के अध्यक्ष यमुना प्रसाद नापित ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य केवल जल संरचनाओं का संरक्षण ही नहीं, बल्कि समाज में जल के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी है।

जल है तो कल है का लिया संकल्प

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं ग्रामवासियों ने बावड़ी पूजन कर जल संरक्षण का संकल्प लिया। सभी ने पारंपरिक जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, जल के दुरुपयोग को रोकने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प दोहराया।ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि जल है तो कल है केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन और भविष्य की सुरक्षा का आधार है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगी साथियों, महिलाओं एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए जल संरक्षण के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

साइबर ठगों के मददगार गिरोह का फरार आरोपी गिरफ्तार

▸ बुढार पुलिस की बड़ी कामयाबी

नवभारत,बुढार। पुलिस अधीक्षक शहडोल रामजी श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन एवं प्रभावी नेतृत्व में जिले में कानून व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत बुढार पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। साइबर ठगी के लिए फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह के एक फरार आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है कि कानून से बचना अब आसान नहीं है। थाना बुढार के अपराध क्रमांक 265/225 की विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने ग्राम पकरिया निवासी वंश सिंह बघेल (21 वर्ष) पिता विनोद सिंह बघेल को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस को लगातार चकमा देने का प्रयास कर रहा था।

भोले-भाले ग्रामीणों को बनाते थे निशाना

प्रकरण की जांच में सामने आया कि आरोपी और उसके सहयोगी स्वयं को 'गूगल पे एजेंट' बताकर ग्रामीणों एवं छोटे व्यापारियों को अपने जाल में फंसाते थे। आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज प्राप्त कर उनके नाम से विभिन्न बैंक एवं ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म में खाते खुलवाए जाते थे। बाद में इन खातों का उपयोग देशभर में होने वाली साइबर ठगी की रकम के लेन-देन और खपाने के लिए किया जाता था।

टेलीग्राम के माध्यम से जुड़े थे साइबर अपराधियों से

पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी टेलीग्राम ऐप के जरिए देश-विदेश में सक्रिय साइबर ठगों के संपर्क में थे। ग्रामीणों को आर्थिक लाभ का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाए जाते और उनसे संबंधित एटीएम कार्ड, पासबुक तथा मोबाइल नंबर साइबर अपराधियों को उपलब्ध करा दिए जाते थे। इस गंभीर मामले में पुलिस पहले भी कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं फरार चल रहे मुख्य आरोपियों की तलाश लगातार जारी थी।

अव्यवस्था | रेलवे की तकनीकी व्यवस्था पर उठे सवाल, जलभराव से त्रस्त हैं हजारों लोग

रेल्वे ने बनाए करोड़ों के शेड, फिर भी पानी में डूबे अंडरब्रिज

नवभारत,शहडोल। रेलवे विभाग की तकनीकी कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शहर के विभिन्न अंडरब्रिज और अंडरपासों में हर बारिश के साथ होने वाले जलभराव की समस्या वर्षों से जस की तस बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के बजाय करोड़ों रुपये खर्च कर शेड निर्माण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नतीजा यह है कि बारिश शुरू होते ही अंडरब्रिज तालाब में तब्दील हो जाते हैं और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

शहर के कोयलारी-कल्याणपुर अंडरब्रिज, पुरानी बस्ती अंडरपास और सिंहपुर रोड स्थित पोण्डा नाला अंडरब्रिज में हर वर्ष जलभराव की समस्या विकराल रूप ले लेती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेलवे ने अंडरब्रिज के आसपास करोड़ों रुपये खर्च कर शेड तो लगा दिए, लेकिन पानी निकासी की प्रभावी व्यवस्था आज तक नहीं कर पाई। ऐसे में शेड आम लोगों के लिए राहत कम और सरकारी धन की बर्बादी का प्रतीक अधिक दिखाई देने लगे हैं।

बारिश होते ही बन जाता है तालाब कोयलारी-कल्याणपुर अंडरब्रिज की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। यह मार्ग केन्द्रीय विद्यालय, महर्षि विद्या मंदिर, निजी नर्सिंग कॉलेज, बीएड कॉलेज सहित आसपास के सैकड़ों गांवों को शहर से जोड़ता है। प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं, कर्मचारी और ग्रामीण इसी रास्ते से आवागमन करते हैं, लेकिन हल्की बारिश के बाद ही अंडरब्रिज में घुटनों तक पानी भर जाता है। स्थिति यह हो जाती है कि दोपहिया वाहन बंद पड़ जाते हैं, राहगीरों को पानी में उतरकर निकलना पड़ता है और दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। कई बार स्कूली बच्चों और महिलाओं को पानी के बीच से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

तकनीकी विशेषज्ञों की योजना पर सवाल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञों ने अंडरब्रिज निर्माण के समय जल निकासी और पंपिंग सिस्टम की समुचित व्यवस्था की होती तो आज यह समस्या पैदा ही नहीं होती। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब हर वर्ष जलभराव की स्थिति सामने आती है तो इसके स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस योजना क्यों नहीं बनाई जा रही। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये शेड निर्माण पर खर्च करने के बजाय यदि ड्रेनेज सिस्टम, उच्च क्षमता वाले पंप और वर्षाजल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था विकसित की जाती तो हजारों लोगों को राहत मिल सकती थी। पुरानी बस्ती और सिंहपुर रोड क्षेत्र के रहवासियों का कहना है कि हर बारिश में वही समस्या दोहराई जाती है। शिकायतें होती हैं, निरीक्षण होते हैं, आश्वासन मिलते हैं, लेकिन हालात नहीं बदलते। अब लोगों के सब्र का बांध टूटने लगा है और वे रेलवे प्रशासन से जवाब मांग रहे हैं कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कब होगा।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या पर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी समझ से परे है। वर्षों से जनता परेशानी झेल रही है, लेकिन न तो रेलवे प्रशासन पर दबाव बनाया जा रहा है और न ही किसी दीर्घकालिक योजना को अमलीजामा पहनाया जा रहा है।बारिश का मौसम अभी शुरू ही हुआ है। यदि जल्द ही जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई तो अंडरब्रिजों में जलभराव के कारण किसी बड़े हादसे से भी इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में रेलवे प्रशासन को दिखावटी व्यवस्थाओं से आगे बढ़कर जमीनी समस्याओं का समाधान करना होगा।